[Dr. Vasant Kumar Pandit]

Report of the Committee which he has appointed?

SHRI PURUSHOTTAM KAUSHIK: It will be placed on the Table of the House

---

12.58 hrs.

COMMITTEE ON PRIVATE MEMBERS' BILLS AND RESOLUTIONS
THIRTEENTH REPORT

SHRI VADVENDRA DUTT (Jaunpur): Sir, I beg to present the Thirteenth Report of the Committee on Private Members' Bills and Resolutions

---

12.58½ hrs.

DEMANDS FOR EXCESS GRANTS (RAILWAYS, 1975-76)

THE MINISTER OF RAILWAYS (PROF. MADHU DANDAVATE) Sir, I beg to present a statement showing Demands for Excess Grants in respect of the Budget (Railways) for 1975-76

12.59 hrs.

SUPPLEMENTARY DEMANDS FOR GRANTS (RAILWAYS), 1977-78

THE MINISTER OF RAILWAYS (PROF MADHU DANDAVATE) Sir, I beg to present a statement showing Supplementary Demands for Grants in respect of the Budget (Railways) for 1977 78

---

13 00 hrs

MATTERS UNDER RULE 377

(i) Termination of Services of 22 Harijan Conservancy Workers in Babina Cantt Area, Jhansi

श्री लक्ष्मी नारायण नायक (खुजराहो): माननीय अध्यक्ष महोदय, मै नियम 377 के अन्तर्गत बहुत ही महत्वपूर्ण प्रस्ताव आपके सामने रख रहा हू । बबीना केन्टोनमेंट एरिया में 22 हरिजन सफाई कर्मचारी कई वर्षों से काम कर रहे थे। उन्हें जहां स्थाई किया जाना चाहिए था, वहां उन्हे नौकरी से ही निकाल दिया गया। इस मंहगाई और बेकारी के जमाने में लोग वैसे ही परेशान है। जब ऐसे लोगों को नौकरी से निकाल दिया जाये जो कि कई वर्षों से काम कर रहे थे, तो उनके स्वय के लिए और उनके परिवार के लिए कितनी दुखदायी स्थिति हो सकती है, इसका अन्दाजा सहज लगाया जा सकता है। जो कर्मचारी इतने वर्षों से काम कर रहे हों उन्हे स्थायी किया जाना चाहिए, किसी को अनिश्चितता की स्थिति मे नही रखा जाना चाहिए। छोटे कर्मचारियो के लिए तो यह बहुत ही आवश्यक है क्योंकि उनके ऊपर तो सरकार को ज्यादा खर्चा भी नही करना पडता है। इतनी देर तक कर्मचारियो को अस्थायी तौर पर रखना उनके साथ अन्याय है। यह अन्याय छोटे कर्मचारियो के साथ बहुत अधिक हो जाता है क्योंकि अस्थायी तौर पर रहने पर उनके साथ दूसरे कर्मचारी भी मनचाहा व्यवहार करते है। इसलिए मेरी माग है कि इन 22 हरिजन सफाई कर्मचारियो को तुरन्त नौकरी पर लिया जाये और इनकी नौकरी को भी स्थायी किया जाये। केन्टोनमेंट एरिया मे जो भी कर्मचारी अस्थायी तौर पर काम करते है उनको स्थायी किया जाना चाहिए। मै पुन इन 22 हरिजन सफाई कर्मचारियो को नौकरी पर लिये जाने की माग करता हू।

(ii) IMPENDING DEMONSTRATION BY STUDENTS IN BIHAR

डा० रामजी सिंह (भागलपुर): अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति के आधार पर नियम 377 के अन्तर्गत, बिहार मे छात्रो द्वारा, आगामी 18 मार्च को एक व्यापक और भीषण प्रदर्शन की तैयारी की सूचना दे रहा हू और आपके माध्यम से सरकार को भी आगाह करना चाहता हू कि छात्र

समुदाय उस वायदे को नहीं भूला है जो कि 1974 मे उसने किया था। इसका इतिहास बिहार के अखबारो और अखिल भारतीय अखबारो से पढने को मिल जायेगा। बिहार मे फिर 1974 की पुनरावृत्ति होने वाली है। जो मांगें विद्यार्थियो ने रखी थीं अगर उन मागो की पूर्ति नही होती है तो वे लोग फिर आन्दोलन और प्रदर्शन करेंगे। यह माग विरोध पक्ष के विद्यार्थी ही नही कर रहे है बल्कि सभी सगठनो के विद्यार्थी, जनता युवा, युवा जनता, छात्र युवा सघर्ष वाहिनी सभी इस माग का कर रहे हैं।

अध्यक्ष महोदय, आज सभी सगठनो के विद्यार्थी इस प्रदर्शन की तैयारी कर रहे है। विद्यार्थियो न जो 12 सूत्री मागे रखी थी कि भ्रष्टाचार और बेराजगारी का निवारण, महगाई का बन्द करना, शिक्षा मे आमूल परिवर्तन उन सभी का अभी तक नजरअन्दाज किया गया है। महगाई ता थाडी कम हुई है लेकिन भ्रष्टाचार और बेरोजगारी की दिशा म कोई मजबूत कदम नही उठाया गया। शिक्षा म आमूल परिवर्तन विषय पर सचमुच मे हम नीद म साए हुए है। यही कारण है कि फिर स विद्यार्थी बिहार का जगाना चाहत है।

गत 29 सितम्बर को सी०पी०आई० के द्वारा वहा बहुत बडा जलूस निकाला गया था। 4 ? ४ छात्र पटना सचिवालय के सामने गिरफ्तार हुए थ। 9 अक्टवर को दमन विरोधी दिवस मनाया गया। बिहार एक बार पुन नेतृत्व करने के लिए तैयार है। वहा के अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के एक बडे नता श्री सुशील मादी न कहा है कि स्थिति न बदलने पर आन्दोलन अवश्य होगा। यह बात केवल एक सगठन क विद्यार्थी ही नही कह रहे है बलिक सभी सगठनो के विद्यार्थी कह रहे है। छात्राओ ने भी यह कहा है कि छात्राए भी इसमे किसी तरह स पीछे नही रहेंगी।

इस लिए मैं, अध्यक्ष महोदय आपके माध्यम से सरकार को बताना चाहता हूं कि 1974 में विद्यार्थियो ने जो 12 सूत्री मागो को रखा था अगर उनको नजरअन्दाज किया जायेगा तो बिहार से फिर आन्दोलन होगा। बिहार छात्र युवा सघर्ष वाहनी ने लोकनायक श्री जयप्रकाश नारायण जी के सामने प्रदर्शन करने का जो प्रस्ताव रखा है और जिसको श्री जयप्रकाश जी ने आशीर्वाद दिया है और कहा है कि इसको ग्रामीण क्षेत्रो मे ही अधिकतर महदूद रखो और यह देखत रहो कि कोई भी शासक वर्ग—चाहे पुराना हो या नया हो—वही सो न जाए उस प्रस्ताव का टाला न जा सकेगा।

इसी तरह से गत 14 दिसम्बर को सी०पी०एम० द्वारा पटना बद हुआ था। 15 दिसम्बर को पटना मेडिकल कालेज बन्द हुआ। सब स बडी बात यह है कि 18 मार्च का फिर बिहार म एक आन्दोलन और प्रदर्शन की तैयारी हो रही है। 19 मार्च का श्रीमती इंदिरा गाधी का अशुभ चरण वहा पड रहा है। शासक वर्ग स और जनता पार्टी क मत्रिया से मेरा निवेदन है कि विद्यार्थियो ने जो बारह सूत्री माग रखी थी अगर उसकी दिशा म जल्दी से कारगर और ठोस कदम नही उठाया गया ता फिर बिहार म एक अग्नि भडकेगी और सम्पूर्ण भारत का आत्मसात कर लेगी।

(iii) PLIGHT OF BRICK-KILN WORKERS IN AND AROUND DELHI

श्री ओम प्रकाश त्यागी (बहराइच) मैं एक अति महत्वपूर्ण विषय की ओर सरकार का ध्यान दिलाना चाहता हू। बधक मजदूर प्रथा कानूनन बन्द हो गई है। परन्तु दिल्ली म ही लगभग पचास हजार मजदूर बधको के रूप मे रह रहे है। 350 इटे बनाने के भटटे यहा हैं जिन मे पचास हजार के करीब मजदूर काम करत है। उन मजदूरो को जिनमे अधिकाश हरिजन और पिछडे लोग होते हैं राजस्थान आदि प्रान्तो के ठेकेदारो के द्वारा जो इन भटटा मालिको क ऐजट होते हैं और जिनको जमादार बोलते हैं बहका कर ले आया जाता है और